पाठ ११ असम का पर्व- बिहू

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

SWAMI VIVEKANANDA
FATHER OF THE NATION - MAHATMA GANDHI

CLASS: V

SUBJECT : HINDI

CHAPTER NUMBER: 11

TOPIC: पाठ ११ असम का पर्व- बिहू

SUB TOPIC: प्रस्तावना, आदर्श पठन

पाठ ११ असम का पर्व- बिहू

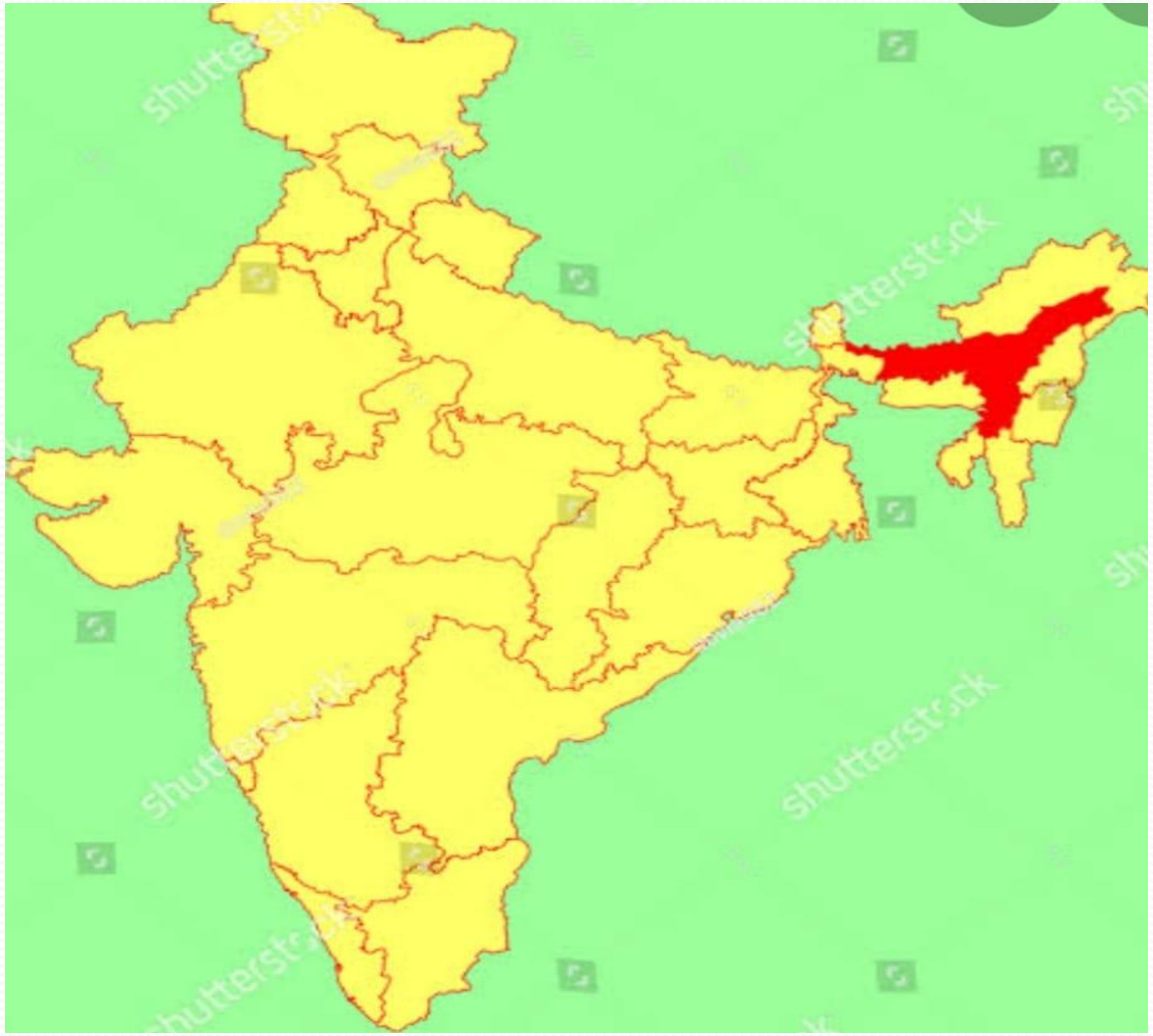
shutterstock

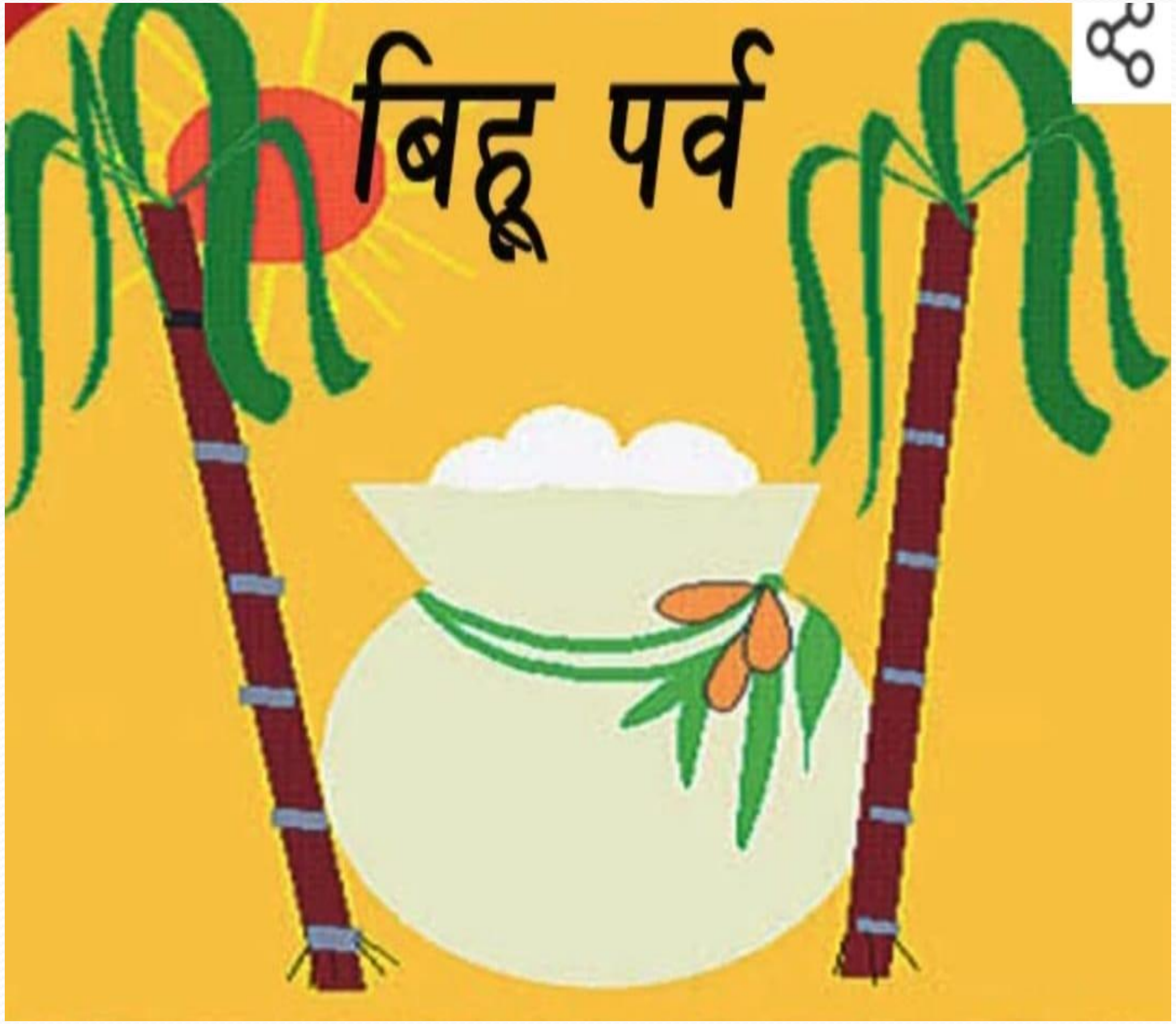

चिंतन - मनन

वह राष्ट्र उतना ही विकसित होगा जहाँ अधिक पर्व तथा त्योहार होंगे। विश्व में भारत अनेकता में एकता का उदाहरण है।

भारत त्योहारों व पर्वों का देश है। यहाँ वर्ष भर कोई-न-कोई पर्व आता ही रहता है। इन पर्वों में भारतीय संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। भारत के अनेक पर्वों में असम का 'बिहू' सबसे बड़ा पर्व है। 'बिहू' के अवसर पर ऊँच-नीच, अमीरी-गरीबी के भेदभाव मिट जाते हैं। सभी साथ मिलकर हर्ष और उल्लास के साथ यह पर्व मनाते हैं।

बिहू पर्व अन्य पर्वो से भिन्न है क्योंकि यह एक वर्ष में तीन बार मनाया जाता है। बोहाग बिहू, कार्तिक बिहू और माघ बिहू। इन तीनों में सर्वाधिक महत्व 'बोहाग बिहू' का है। यह वसंत, नववर्ष तथा कृषि–तीनों का पर्व है। वसंत ऋतु के स्वागत में प्रकृति सजी रहती है।

इस मौसम में किसान अपने खेतों को जोतकर तैयार कर लेते हैं। इस काम में परिवार का हर सदस्य भाग लेता है। ‘बोहाग बिहू' के दिन पशुशालाओं की लिपाई-पुताई होती है। साफ़-सफ़ाई की ओर ध्यान दिया जाता है।

इस कार्य का उद्देश्य शुद्धिकरण होता है।

इसके बाद लोग नाच-गाकर मनोरंजन करते हैं।

खेती में पशु किसानों के लिए आदरणीय हैं इसलिए 'बिहू पर्व' पर इनका पूजन-होता है। एक दिन के लिए इन प्राणियों को खुला छोड़ दिया जाता है।

असम के निवासियों के लिए नववर्ष का आरंभ इसी समय में होता है। नववर्ष का दिन 'मानहु बिहू’ के नाम से जाना जाता है । इस दिन बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार उपहार दिया जाता है। लोग पंचांग सुनते हैं तथा एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएँ देते हैं।

फ़सल की कटाई पर 'माघ बिहू' जनवरी में मनाया जाता है। फ़सल से जब कृषकों के घर भर जाते हैं तो किसानों का हृदय आनंद से भर जाता है। इस आनंद को व्यक्त करने के लिए 'भोगाली बिहू' मनाया जाता है।

इस अवसर पर प्रत्येक घर में विशेष रूप से 'भोज' का आयोजन होता है। यहाँ का मुख्यआहार 'चावल' है, इसी कारण इस दिन चावल की स्वादिष्ट मिठाइयाँ बनाई जाती हैं।चावल के पुए, लारू-पीठा जैसे व्यंजन बनाए जाते हैं।

इस दिन आहार में मछलियों का समावेश होता है। सामूहिक रूप से युवक और बालक इस पर्व पर 'प्रीतिभोज' का आयोजन करते हैं।

पूरी रात खाना-पीना और नाचना-गाना चलता है। इसी समय 'होलिका दहन' की तरह 'होली को जलाया जाता है। इसे 'भेजी बिहू' कहाजाता है।

सामूहिक रूप से तथा पारिवारिक रूप से मनाया जाने वाला पर्व उमंग, उल्लास से भरा रहता है।

बिहू पर्व जाति-भेदको भूलकर मनाया जाने वाला पर्व है, इसकारण इसे 'राष्ट्रीय-एकात्मकता का पर्व' भी कहा जा सकता है।

गृहकार्य

- विषय संवर्धक क्रियाकलाप- भारत के अलग अलग प्रांतों के त्योहारों के बारे में जानकारी तथा चित्र एकत्रित करके चाट प्रस्तुत कीजिए

शिक्षण प्रतिफल

- बच्चों ने भारत के उत्तर पूर्वी भाग में स्थित असम राज्य के पर्व 'बिहू' के बारे में जानकारी हासिल की।

- बच्चों ने यह भी समझा कि हमारे सारे पर्व कृषि पर आधारित होते हैं।

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP